तापमान
अधिकतम 41.5 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

11 रिटायर्ड प्राचार्य ने स्कूल को वाटर कूलर भेंट किया

12 पांच दिवसीय राष्ट्रीय नेटबॉल प्रतियोगिता का आगाज...

खबर संक्षेप

कार की चपेट में आकर पिता और पुत्र घायल

कोसली। अहमदपुर पड़तल के निकट कार की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल हो गए। चौकी नं. 1 निवासी भूवनेशन अपने पिता सतपाल के साथ बाइक पर जाटूसाना रेलवे स्टेशन जा रहे थे। अहमदपुर पड़तल के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। दोनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक की तलाश शुरू कर दी।

धारूहेड़ाः घर का ताला तोड़कर सामान चोरी

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 से चोर एक बंद मकान का ताला तोड़कर सामान चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में गुरूग्राम निवासी महेश ने बताया कि उसका सेक्टर-6 में मकान है। वह मकान में कभी-कभार आता है। 24 अप्रैल को वह अपने मकान में आया तो ताले टूटे हुए मिले। चोर मकान से टोंटियां व अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट मामले में तीन नाबालिग पकड़े

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 17 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव निवासी दो नाबालिग व गुरूग्राम के गांव निवासी एक नाबालिग को काबू कर लिया। बाद में तीनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

जागरण के लिए निकला युवक लापता, केस दर्ज

रेवाड़ी। नई आबादी से 22 अप्रैल को जागरण में जाने के लिए घर से निकला एक युवक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में रामदयाल ने बताया कि उसका बेटा एक स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। स्कूल से आने के बाद शाम के समय वह जागरण में जाने की बात कहकर घर से गया था। उसके बाद वह वापस नहीं आया। काफी तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी देने के सात आरोपी गिरफ्तार

बावल। खेड़ा मुरार में मारपीट व धमकी देने के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने गत वर्ष 30 सितंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने गांव निवासी खुशवंत, देवेंद्र, निरंजन, कविता, प्रीती, पंकज व नूंह के मंगुवा निवासी विकास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बाद में सभी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत वर्ष 5 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद राजस्थान के स्वरूपगंज निवासी टिंकू शर्मा को गिरफ्तार किया है।

रास्ता रोककर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने महेश्वरी में रास्ता रोककर मारपीट करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल युवक के बयान पर 22 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने महेश्वरी निवासी जगविंद्र को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

युवक पर सीधे बोलेरो कैंपर गाड़ी चढ़ाने का मामला

दिल दहलाने वाली घटना से नहीं हिली पुलिस, युवक पर सीधे गाड़ी चढ़ाई, एफआईआर में जिक्र तक नहीं

दोनों युवकों की हालत अभी भी गंभीर, पुलिस एफआईआर में शामिल नहीं की धाराएं

- दो दिन से इस वीडियो को लाखों लोग देखकर दांतों तले उंगलियां दबा चुके हैं

मनोज बुलान ▶▶| कुंड

बीते बुधवार को कुंड बैरियर के पास एक गाड़ी चालक ने युवक पर सीधे बोलेरो कैंपर चढ़ा दी। एक युवक गाड़ी के साथ घिसटता गया। इसके बाद महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया।

घटना का वीडियो जबरदस्त तरीके से वायरल हो चुका, लेकिन थाना खोल पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में लापरवाही से वाहन चलाने तक की धाराओं को शामिल नहीं किया गया है। पीड़ित के परिजनों ने अब जल्द इस मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों से मिलने का निर्णय लिया है।

घटना का वीडियो ही दिल दहला देने वाला है। इस वीडियो में चालक तेज रफ्तार से गाड़ी को युवक के ऊपर से गुजारता हुआ साफ नजर आ रहा है। इसके बाद एक अन्य युवक को दूर तक घसीटा गया। दोनों की हालत अभी तक गंभीर बनी हुई है।

रेवाड़ी। कुंड बैरियर के पास युवक पर गाड़ी चढ़ाने का फाइल फोटो।

घटना के बाद थाना खोल पुलिस ने मनेठी निवासी धर्मेंद्र की शिकायत पर कई आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज करते हुए इतिश्री कर ली। वीडियो के आधार पर मामला प्रथम दृष्टया ही हत्या के प्रयास का बन रहा है। इसके बावजूद पुलिस ने वाहन चालन से संबंधित किसी धारा या हत्या के प्रयास की धारा को एफआईआर में शामिल नहीं किया गया है। दिसचस्प बात यह है कि दो दिन से इस वीडियो को लाखों लोग देखकर दांतों तले उंगलियां दबा चुके हैं, परंतु पुलिस ने शायद वीडियो को अभी तक गंभीरता से देखा तक नहीं। पुलिस अभी तक यही मान रही थी गाड़ी बैक करते समय युवक चपेट में आए होंगे। अगर पुलिस की बात को सही मान लिया जाए, तो भी एफआईआर में लापरवाही से वाहन चलाने की धारा शामिल नहीं की गई।

रंजिश का केस मान रही पुलिस

एसएचओ प्रहलाद सिंह ने बताया कि अंकित और शुभम के बीच जूस की दुकान पर झगड़ा हुआ था। इसके बाद शुभम पार्किंग में आ गया। अंकित ने अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को बुला लिया। वह शुभम को पीटने के लिए आए थे, लेकिन वेदपाल लकड़ी लेकर बचाव में आ गया। गाड़ी बैक करते समय वेदपाल व अंकित को चोटें आई हैं। इसके बाद जब एसएचओ के पास वीडियो भेजी गई, तो वह मामला समझ गए। मामले की निष्पक्ष जांच व घायलों के बयान के बाद उचित कार्रवाई होगी।

मामला हत्या के प्रयास का: वरिष्ठ अधिवक्ता बीएल खोला के अनुसार वीडियो को देखते ही मामला प्रथम दृष्टया लापरवाही से वाहन चलाने और हत्या के प्रयास का बनता है। चालक ने सीधे युवक पर गाड़ी चढ़ाई है। इस मामले में पुलिस का मारपीट और धमकी की धाराओं के तहत केस दर्ज करना समझ से परे नजर आ रहा है। पुलिस ने वीडियो को नजरअंदाज करते हुए शिकायतकर्ता के बयान पर भी केस दर्ज करते हुए ध्यान नहीं दिया है।

दबंगों का दबाव कर रहा अपना काम

इस हादसे में गंभीरावस्था में घायल हुए वेदपाल के चचेरे भाई जयपाल और विजयपाल ने बताया कि दोनों युवकों को मारने के लिए जानबूझकर गाड़ी चढ़ाई गई थी, लेकिन पुलिस ने साधारण मारपीट का केस दर्ज किया है। इससे यह बात साबित हो रही है कि पुलिस दबंगों के दबाव में काम कर रही है। वह ग्रामीणों के साथ पहले एसएचओ से मिलेंगे। इसके बाद उचित कार्रवाई की मांग को लेकर उच्चाधिकारियों से भी मिलने के लिए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस हमलावरों से मिली हुई है।

प्रथम चरण में 3600 को फ्री परिवहन यात्रा का लाभ मिलेगा, पांच सौ हैप्पी कार्ड तैयार

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के तहत साल में एक हजार किमी फ्री यात्रा करेंगे | रोडवेज विभाग लाभार्थियों को अपना कार्ड लेने के लिए फोन पर भेजा जा रहा मैसेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के तहत अब पात्र लोगों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। लाभार्थियों को हैप्पी कार्ड भी मिलने शुरू हो गए है। प्रथम चरण में 7 से 15 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन करने वाले करीब 3600 लोगों को योजना का लाभ मिलना जल्द शुरू हो जाएगा।

रोडवेज डिपो में शुक्रवार तक 509 पात्रों के कार्ड भी बनकर आ चुके है तथा काफी आवेदक अपने कार्ड भी लेकर जा चुके है। बाकी पात्रों को भी मोबाइल पर मैसेज भेजे जा रहे हैं ताकि वह अपने-अपने हैप्पी कार्ड रोडवेज विभाग के पास से आकर लेकर यात्रा का लाभ उठा सके। सरकार ने हैप्पी कार्ड बनाने का ठेका एयू स्माल बैंक व आरियन प्रो कंपनी को दिया हुआ है, जिनकी ओर से कार्ड बनाकर रोडवेज विभाग को भेजे जा रहे है।

1000 किलोमीटर तक मिलेगा यात्रा का लाभ

योजना के तहत एक लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार के सदस्य को प्रति वर्ष हरियाणा रोडवेज की बसों में एक हजार किलोमीटर तक निशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा। लाभार्थी परिवार के सदस्यों को मोबिलिटी स्मार्ट कार्ड जारी किए जा रहे है, जिसे दिखाकर वह यात्रा कर सकते हैं। यह स्मार्ट कार्ड सीधे ई-टिकटिंग प्रणाली से कनेक्ट होंगे। हैप्पी योजना में आधुनिक तकनीक का उपयोग करके समाज के गरीब वर्ग के लोगों को मुफ्त यात्रा का लाभ दिया जाएगा। योजना के लिए लाभार्थियों की पहचान परिवार पहचान पत्र के माध्यम से की जा रही है।

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर हैप्पी कार्ड लेने के लिए आवेदकों की कतार। फोटोः हरिभूमि

काम शुरू

रोडवेज में एक हजार किलोमीटर की फ्री यात्रा के लिए हैप्पी कार्ड बांटने के काम शुरू हो गया है। आवेदनों के पास कार्ड लेने के लिए मैसेज भेजा जा रहा है। उस मैसेज के साथ ही रोडवेज कार्यालय में आना होगा।
- देवदत्त, जीएम रोडवेज, रेवाड़ी

रेवाड़ी। रोडवेज कार्यालय में हैप्पी कार्ड का डाटा पूरा करते कर्मचारी। फोटोः हरिभूमि

डिपो में अलग से कार्यालय बनाकर पांच कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

बस स्टैंड एसएस सुभाष शिमली ने बताया कि लाभार्थियों को हैप्पी कार्ड इश्यू करने के लिए रोडवेज डिपो में अलग से कार्यालय बनाकर पांच कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। हैप्पी कार्ड के लिए आवेदकों के पास मैसेज भेजे जा रहे हैं। मैसेज में बताई गई तारीख के अनुसार ही आवेदकों को बस स्टैंड पहुंचना होगा। आवेदकों के पास आए मैसेज में रेफ्रेंस नंबर, सिक्वेंस नंबर व ओटीपी होगा। इसी के जरिए कार्ड का पता लगेगा।

आवेदक को देने होंगे 50 रुपये

हैप्पी कार्ड के लिए आवेदक को 50 रुपए शुल्क के रूप में देने होंगे व बाकी खर्च सरकार वहन करेगी। लाभार्थियों को इस कार्ड को खरीदने के लिए केवल 50 रुपये की एकमुश्त लागत का भुगतान करना होगा और बाकी कार्ड की लागत लगभग 109 रुपये सरकार भरेगी। हैप्पी कार्ड का वार्षिक रखरखाव का शुल्क 79 रुपये भी सरकार की ओर से वहन किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया सरल और ऑनलाइन

हैप्पी कार्ड पर लाभार्थी को हरियाणा रोड़वेज की बसों में प्रतिवर्ष 1000 किलोमीटर मुफ्त यात्रा का लाभ दिया जाएगा। हरियाणा के मूल निवासी ही इस योजना का लाभ ले सकते हैं। आवेदक के परिवार की सालाना आय एक लाख रुपए या इससे कम होनी चाहिए। परिवार पहचान पत्र में आय वेरीफाई होनी चाहिए। हैप्पी कार्ड बनने के बाद अगर आवेदक की आय बढ़ती है तो स्वतः ही योजना का लाभ मिलना बंद हो जाएगा। अगर योजना के एक वर्ष के समय से पहने अपनी एक हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी की लेता है तो आवेदक अपने हैप्पी कार्ड को रिचार्ज करा सकता है। एक साल पूरा होने पर आवेदक को हैप्पी कार्ड को फिर से वैरिफाई करना होगा, जिसके बाद ही उसे योजना का लाभ मिलेगा।

आवेदक को जरूरी दस्तावेज देने होंगे

आवेदक स्वयं या सीएससी केंद्र पर जाकर हरियाणा ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की आधिकारिक वेबसाइट ईबुकिंग. एचआरट्रांसपोर्ट. जीओवी. इन/#/पीपीपी/अप्लाई/हैप्पी पर हरियाणा हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है। लाभार्थी को परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हैप्पी कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। हैप्पी कार्ड लेते समय आवेदक को जरूरी दस्तावेज देने होंगे। आवेदक को परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस व पासपोर्ट रोडवेज डिपो कार्यालय में लेकर आना होगा। आवेदक को रजिस्ट्रेशन कराते समय प्राप्त रजिस्ट्रेशन/ रेफ्रेंस नंबर देना होगा। आवेदक को मोबाइल नंबर पर आया ओटीपी देना होगा। प्रत्येक आवेदक को हैप्पी कार्ड के लिए 50 रुपए का शुल्क जमा देना होगा।

रेवाड़ी। सचिवालय परिसर में बंद पड़ा वाटर कूलर।

अफसरों की नाक तले जल संकट, आमजन से लेकर कर्मचारी तक परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

- मिनी सचिवालय की छत पर रखी टंकियों की सफाई तक नहीं

मिली सचिवालय में अफसरों की नाक तले न सिर्फ आम लोगों, बल्कि स्टाफ के सदस्यों को भी भारी गर्मी के मौसम में पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। मिनी सचिवालय में लगे चार में आरओ बंद पड़े हुए हैं, जिससे लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

मिन सचिवालय में एसडीएम और तहसीलदार बैठते हैं। यहां कार्यदिवस पर सैकड़ों लोग अपने काम से आते हैं। चार में से तीन आरओ बंद पड़े हुए हैं। वाटर कूलर भी सही कार्य नहीं कर रहे हैं। मनोज, कृष्ण कुमार, अजीत, बलबीर व सर्वसुख आदि ने बताया कि ऑफिस में काम से आने वाले लोगों को स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध नहीं होता। लोगों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ता है। कुछ कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें भी पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। छत पर रखी पानी की टंकियों में गंदगी जमी हुई है। काफी समय से टंकियों की सफाई नहीं हुई है। लोगों ने अधिकारियों से पेयजल संकट का समाधान करने की मांग की है।

रेवाड़ी। मिनी सचिवालय की छत पर टंकी में जमा गंदगी।

सियासत | चुनाव जीतने के बाद आम कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्धता जटिल

पार्टी में रहकर भी भाजपा कार्यकर्ताओं से दूरी चार साल बाद लोगों के बीच जाना मजबूरी

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

राव इन्द्रजीत सिंह।

बिप्लब देब।

रणधीर सिंह कापड़ीवास।

- खास समर्थकों की मजबूत टीम ने कभी नहीं होने दिया निराश

वर्ष 1977 में जाटूसाना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर सक्रिय राजनीति की शुरूआत करने वाले राव इंद्रजीत सिंह कुछ मौकों को छोड़कर कभी परास्त नहीं हुए, परंतु उनके 'राजाशाही' अंदाज में आज तक बदलाव नहीं आया। उनकी राजनीति चुनाव जीतने के बाद हलके के लोगों के बीच बने रहने की बजाय 'महलों' से ही संचालित होती रही। कांग्रेस में रहते हुए उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार दूरी बनी रही, तो भाजपा में आने के बाद उन्होंने कभी भी पार्टी के स्थानीय नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक को तवज्जो देना जरूरी नहीं समझा। आम कार्यकर्ता से मुलाकात तो दूर की बात, फोन पर बात होना भी कभी आसान नहीं रहा। चुनावी सभाओं में भीड़ की भारी कमी उनके प्रति लोगों की नाराजगी का प्रमाण साबित हो रही है। गुरूग्राम लोकसभा सीट से लगातार चौथी जीत का परचम लहराने के लिए मैदान में उतर चुके राव इंद्रजीत सिंह को शायद पहली बार चुनावी सभाओं में कुर्सियां खाली देखकर माथे का पसीना बार-बार पोंछते हुए देखा जा रहा है। भीड़ जुटाने के मामले में वह पूरे प्रदेश में नंबर वन नेता की श्रेणी में शामिल हैं, परंतु इस बार उनकी सभाओं में भीड़ की कमी इस बात के संकेत दे रही है कि आमजन में उनके प्रति झुकाव कम हो रहा है। वर्ष 2013 तक कांग्रेस में प्रदेश का सीएम बनने का सपना पूरा नहीं होता देखकर तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से टकराव के बाद राव कांग्रेस छोड़ने पर मजबूर हो गए। सीएम बनने के सपने के साथ ही वह भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन भाजपा के पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को उन्होंने कभी गले नहीं लगाया। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद जब सीएम बनने का मौका नहीं मिला, तो उन्होंने सबसे पहले तत्कालीन सीएम मनोहरलाल से ही हुड्डा की तर्ज पर मतभेदों की दीवार खड़ी कर ली। पहली योजना में उन्होंने कई मौकों पर मनोरहलाल को निशाने पर रखा, परंतु बाद में मनोहरलाल ने राव को कोई भाव नहीं दिया। भाजपा नेताओं के साथ-साथ पदाधिकारियों तक को महत्व नहीं दिए जाने के कारण राव संगठन में अपने खास समर्थकों को भी खास पद नहीं दिला सके।

पुराने कार्यकर्ता भी करने लगे किनाराः राव के बारे में इस समय यह चर्चा लोगों की जुबान पर खूब आ रही है कि एक जनप्रतिनिधी का चुनाव जीतने के बाद हलके के लोगों के बीच आना तो दूर की बात है, चुनाव जीतने के बाद उनसे मिलना भी कभी आसान नहीं रहता। दिल्ली निवास पर जाकर मुलाकात करने से पहले रामपुरा निवास से स्वीकृति लेना जरूरी होता है। स्वीकृति मिलने के बाद दिल्ली जाकर मुलाकात हो ही जाएगी, इसमें भी संदेह की स्थिति बरकरार रहती है। खास नए सिपहासालारों से घिरे राव से इस चुनाव में उनके कई पुराने समर्थकों ने भी दूरी बना ली है, जो उनके लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है।

बिप्लब देब के दौरे पर निगाहें

राव के समर्थन में 27 अप्रैल को पार्टी के प्रदेश प्रभारी बिपल्ब देब बावल में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए आ रहे हैं। टिकट मिलने के बाद पहली बार पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे राव इंद्रजीत सिंह के आसपास पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता फटके तक नहीं थे। उनकी चुनावी सभाओं से आम लोगों की दूरी बीते दिनों साफ देखने को मिली है। अब बिप्लब देब के आगमन पर राव समर्थक बावल में भारी भीड़ जुटाने की रणनीति तैयार करने में जुटे हुए हैं। इस जनसभा में भाजपा के पुराने नेताओं के पहुंचने या दूरी बनाए रखने को लेकर लोगों की निगाहें टिकी रहेंगी।

अदालत के आदेश पर दर्ज करना पड़ा केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- पुलिस पर झूठा केस दर्ज करने का लगाया आरोप

थाना कसोला पुलिस ने साल्हावास गांव के एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोर्ट के आदेश पर दर्ज किए गए केस में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उसके खिलाफ ही मारपीट का झूठा केस दर्ज किया था, जो कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में दायर इस्तगासे में विकास ने आरोप लगाया कि उसके मकान के सामने रहने वाला पड़ोसी राजबीर उसे काफी समय से परेशान कर रहा है। उसके पास शराब पीने वाले लोग आते हैं, जो छत पर बने कमरे में बैठकर शराब पीते हैं।

तेज आवाज में गाने बजाते हैं। मकान सामने होने के कारण उसे और उसके परिवार के सदस्यों को परेशानी होती है। उसने राजबीर को कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। उसने परेशान होकर अपने मकान में राजबीर की दिशा में दीवार खड़ी कर ली, लेकिन उसने और तेज आवाज में गाने बजाना शुरू कर दिया। विकास ने बताया कि वह 6 जनवरी को किसी काम से कसोला गया था। वहां उसे ममेरा भाई सोनू मिल गया। वह उसकी गाड़ी में बैठकर जाने लगा। इसी दौरान राजबीर, रोहताश व एक अन्य ने रास्ता रोककर दोनों के साथ जमकर मारपीट की।

पुलिस ने उसी पर दर्ज किया केस

विकास ने आरोप लगाया कि मारपीट में घायल होने के बाद दोनों का अस्पताल में मेडिकल हुआ था। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करने के बाद उसी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। उसे कोर्ट से जमानत मिल गई। कोर्ट ने इस्तगासे को कार्रवाई के लिए पुलिस के पास भेज दिया। पुलिस ने इस्तगासे के आधार पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। जांच के बाद कोर्ट को रिपोर्ट पेश की जाएगी।

हाथी पृथ्वी का इकलौता ऐसा जानवर है जो कूद नहीं सकता।

डॉल्फिन के पास 100-200 के बीच दांत होते हैं, लेकिन फिर भी वह अपने शिकार को निगल कर खाते हैं।

मेहनत कर आप भी बन सकते हैं पोस्ट अधिकारी

नालेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

कौन होता है पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जरूरी योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

कैसे बने पोस्ट अधिकारी

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में भारी जरूरत

दूसरों का मन पढ़ने की काबिलियत है तो मनोवैज्ञानिक बन चमका सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

मनोवैज्ञानिक का अर्थ होता है कोई ऐसा व्यक्ति जो दूसरों के मन की बात जान सकें, उसे मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इंग्लिश में इसे साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। वर्तमान समय में यह शब्द काफी ज्यादा प्रचलित है क्योंकि बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता रहती है। आमतौर पर विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर साइकोलॉजिस्ट की आवश्यकता रहती हैं और वैसे भी प्रत्येक इंसान यह चाहता है कि वह दूसरों के मन की बात जान सकें, दूसरों के दिमाग में क्या चल रहा है। इस बारे में वह समझ सकें। लेकिन इसे किसी जादू से या तंत्र विद्या से हासिल नहीं किया जाता है, बल्कि मनोविज्ञान पढ़ना होता है। जिसके अंतर्गत आप दूसरों के मन की बात जान सकते हैं। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जो मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग की स्थिति जानकर उनका उपचार किया जाता है।

काफी काम आते मनोवैज्ञानिक

इसीलिए मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक मौजूद हैं। इसके अलावा सरकार भी अपने विरोधी देशों के सरकार के दिमाग में चल रहे क्रियाकलापों के बारे में जानना चाहती हैं, इस जगह पर मनोवैज्ञानिक काफी काम आते हैं। अगर आप भी मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? यानी की मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? तो इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा? किस प्रकार के पढ़ाई करें? कितना समय लगेगा? तथा किस प्रकार से आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे? इस प्रकार की पूरी जानकारी इस आर्टिकल में हम आपको विस्तार से बताएंगे। इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आपको पता चल जाएगा कि मनोवैज्ञानिक कैसे बनें। तो चलिए आपको बताते हैं कि मनोवैज्ञानिक क्या होता है? तथा मनोवैज्ञानिक कैसे बनते हैं?

क्या होता है मनोवैज्ञानिक

साइकलोजिस्ट को हिंदी में मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इसका अर्थ होता है कि मानव मस्तिष्क का अध्ययन करना तथा मानव मस्तिष्क को समझना। आसान भाषा में बताएं तो किसी भी व्यक्ति के दिमाग में क्या चल रहा है? वह व्यक्ति क्या सोच रहा है? तथा आगे क्या कर सकता है? इस बात को समझ कर उसका अर्थ निकालना मनोवैज्ञानिक कहलाता है। विशेष रूप से अगर कोई व्यक्ति गुस्से में है, खुशी में है, या दुख में है? तो मनोवैज्ञानिक उनकी भावनाओं के आधार पर उसके मस्तिष्क का अध्ययन करके यह पता लगाते हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। इस तरह का मस्तिष्क का अध्ययन करने वाले व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक कहते हैं। आमतौर पर आज के समय में तनाव तथा डिप्रेशन से ग्रसित लोगों को मनोवैज्ञानिक की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि वह लोग पूरी तरह से तनाव में जकड़ जाते हैं। जबकि विशेषज्ञों को अपनी परेशानी भी खुलकर नहीं बताते हैं। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक उनके मस्तिष्क का अध्ययन करके व्यक्ति के व्यवहार उसकी सोच भावनाएं इत्यादि के बारे में विस्तार से गहनता से अध्ययन करके उसके दुखों का पता लगाते हैं, जिसके आधार पर उनका उपचार किया जाता है और वे ठीक हो जाते हैं। यही वजह है कि आज के समय में मनोवैज्ञानिक की काफी ज्यादा डिमांड बढ़ गई है।

साइकोलॉजिस्ट के कार्य

साइकोलॉजिस्ट का मुख्य कार्य रिसर्च का अध्ययन करना होता है। साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से मानसिक रूप से बीमार तथा मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं। ताकि उन्हें उचित उपचार दिलाया जा सकें और उनके मस्तिष्क को ठीक किया जा सकें। इसीलिए इंसानी दिमाग को पढ़ने के लिए इस तरह के साइकोलॉजिस्ट होते हैं। साइकोलॉजिस्ट किसी भी इंसान के दिमाग को पढ़ने का काम करते हैं, जिससे उन्हें पता चल जाता है कि वह किस प्रकार से सोचते हैं? किस प्रकार से योजना बनाते हैं। साइकोलॉजिस्ट विज्ञान की एक शाखा है। इसीलिए इसका मुख्य रूप से उपयोग मेडिकल तथा रिसर्च एवं प्रयोग से संबंधित होता है। मनुष्य का व्यक्ति किस प्रकार से कार्य करता है? मस्तिष्क में कौन-कौन से विचार आते हैं? इत्यादि के बारे में गहनता से साइकोलॉजिस्ट द्वारा अध्ययन किया जाता है। आमतौर पर आज के समय में ज्यादातर लोग डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, तनाव के शिकार हो जाते हैं, मन में अनचाहे विचार आते हैं, विभिन्न प्रकार की सोच होती है, भावनाएं काबू में नहीं रहती है, तरह-तरह की फीलिंग आती है, विभिन्न प्रकार का प्रसार बना रहता है, इससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इन सभी कार्यों का अध्ययन मनोवैज्ञानिक अर्थात साइकोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता है।

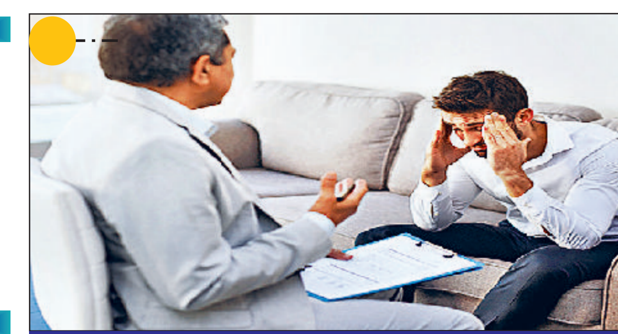

कितने प्रकार के होते हैं साइकोलॉजिस्ट

व्यक्तिगत साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्तिगत सोच के तरीकों को अध्ययन के रूप में जाना जाता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति की सोच बदलाव तथा उसके परिवर्तन में क्या कारण आए हैं। इस बारे में गहनता से अध्ययन किया जाता है।

सामाजिक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत एक समाज या समूह के मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसके दौरान यह पता लगाया जाता है कि वह समाज या संगठन अथवा समूह किस प्रकार का व्यवहार रखता है, किस प्रकार से सोचता है, उनका क्या विकास है तथा क्या उनकी भावनाएं है। इत्यादि सामाजिक साइकोलॉजिस्ट के अनुसार अध्ययन किया जाता है।

जैविक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अनुसार शरीर में बदलाव के रूप में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है यानी कि शरीर में जिस प्रकार से जैविक प्रक्रिया के अनुसार बदलाव होते हैं? उस समय मनुष्य का मस्तिष्क किस तरह से प्रभावित होता है। इस बारे में अध्ययन किया जाता है।

नैदानिक साइकोलॉजिस्ट : यहां शाखा विशेष रूप से मानसिक रोगियों के लिए उपलब्ध की गई है। विशेष रूप से जो व्यक्ति दिमाग की बीमारियों से ग्रसित है या मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग को पढ़कर उपयुक्त इलाज के लिए उनके मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसीलिए इसे नैदानिक साइकोलॉजिस्ट कहते हैं।

सज्ञानात्मक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्ति के सोचने के तरीके निर्णय लेने के तरीके समस्या और परेशानियों से समझने के तरीके तथा बात करने के तरीकों के बारे में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इस साइकोलॉजिस्ट शाखा को संज्ञानात्मक शाखा कहते हैं। विशेष रुप से इस शाखा के साइकोलॉजिस्ट को बड़े-बड़े देश की सरकारें विरोधी देशों के लिए इस्तेमाल करती है।

ऐसे बनें मनोवैज्ञानिक

- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए अभ्यर्थी को सबसे पहले बैचलर ऑफ साइकोलॉजी का कोर्स करना होगा। यह कोर्स 3 वर्ष का होता है। इसके अंतर्गत 2 वर्ष का मास्टर ऑफ साइकोलॉजी कोर्स करना होता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए विशेष रूप से आपको इस विषय में रुचि होने चाहिए, तभी आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे।
- साइकोलॉजी के क्षेत्र में मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए गहनता से सुनने की क्षमता होनी चाहिए।
- दूसरों के मस्तिष्क को बारीकी से जानने और उस पर अध्ययन करने की प्रबल इच्छा होनी चाहिएं।
- अभ्यर्थी की अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए धैर्यवान, आत्मविश्वास तथा सुनने एवं समझने की योग्यता रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया कार्यस्थल को बना रहा विषैला, युवा सावधानी से करें उपयोग

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

सोशल मीडिया का उपयोग समाज में एक व्यापक बदलाव लाया है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह व्यक्तिगत और व्यापारिक जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है? वास्तव में, सोशल मीडिया ने कार्यस्थल को विषैला बना दिया है। यहां हम उस तरह के प्रभावों पर विचार करेंगे जिनसे सोशल मीडिया कार्यस्थल में वातावरण को नकारात्मक बनाता है। आज के युवा लोगों के लिए सोशल मीडिया एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह उन्हें दोस्तों के साथ जुड़े रहने, नए ज्ञान की प्राप्ति करने और अपने विचारों को साझा करने का माध्यम प्रदान करता है। हालांकि, सोशल मीडिया के उपयोग के साथ ही साइबर बुलिंग का खतरा भी है, जो युवाओं को प्रभावित कर सकता है।

साइबर बुलिंग से बचने को जागरुकता जरूरी

यहां हम कुछ सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं जो युवा लोगों को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों से बचाने में मदद कर सकती हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण उपाय है जागरूकता। युवाओं को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशीलता के साथ इन खतरों को पहचान सकें और उनसे बच सकें। सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल युवाओं को अपनी सोशल जिम्मेदारियों को समय से ख़त्म करने के लिए सिखाता है, बल्कि उन्हें सकारात्मक और उत्तरदायी रूप से सोशल मीडिया पर बर्ताव करने के लिए भी प्रेरित करता है। यदि कोई युवा साइबर बुलिंग का शिकार होता है, तो उसे सहानुभूति और समर्थन की जरूरत होती है। वह खुद को अकेला महसूस नहीं करें और उसे अपनी समस्या को साझा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करने के लिए प्रेरित करें। युवाओं को अपनी गोपनीयता की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने व्यक्तिगत जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले सोचने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। युवाओं को सकारात्मक सोशल मीडिया अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। वे अपने सोशल मीडिया खातों पर सकारात्मक और उत्तेजक सामग्री को साझा करने और देखने के लिए उत्साहित होना चाहिए। इन सलाहों का पालन करते हुए, युवा लोग सोशल मीडिया के खतरों से बच सकते हैं और उसे सकारात्मक और सार्थक रूप से उपयोग कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करने में लोग अक्सर कार्यस्थल में समय की बर्बादी करते हैं। वे काम के समय में अपने सोशल मीडिया खातों को चेक करने में लगे रहते हैं, जिससे कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और काम की प्रगति पर असर पड़ता है। कई बार सोशल मीडिया पर देखी गई जानकारियों और फोटोग्राफों के कारण, कर्मचारियों के बीच अप्रत्याशित व्यवहार हो सकता है। इससे कार्यस्थल में विश्वास की कमी होती है और सामूहिक संबंधों में कटुता आ सकती है। सोशल मीडिया पर नकली जीवन और सफलता की तस्वीरें देखकर, लोग अक्सर अपनी खुद की तुलना अन्य लोगों से करते हैं, जो मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। इससे कार्यस्थल में रिश्तों में टेंशन और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यस्थल में सोशल मीडिया का उपयोग करते समय, कर्मचारियों को गोपनीयता का अनुपालन करना चाहिए। लेकिन अक्सर लोग निजी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, जिससे गोपनीयता की चुनौती पैदा होती है और अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं।

महिलाएं हो रहीं ज्यादा प्रताड़ित

सोशल मीडिया का उपयोग करने से कर्मचारियों के बीच संवाद की कमी हो सकती है। वे अक्सर चैट, इमेल या सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करते हैं, जिससे सामूहिक दृष्टिकोण और टीम काम को प्रभावित किया जा सकता है। सोशल मीडिया का सही उपयोग करते हुए जागरूक रहना चाहिए और कार्यस्थल में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। "सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण का आगमन कार्यस्थलों में अनेक नए संभावनाओं का उत्थान किया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। महिलाएं, खासकर कार्यस्थल में, इस डिजिटल युग में अधिक शिकार बनने के खतरे से जूझ रही हैं। उन्हें अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा ऑनलाइन या ऑफलाइन उत्पीड़न, बुलिंग, या अन्य दुर्व्यवहार का शिकार बनाया जा सकता है। सबसे पहले, महिलाओं को अपने अधिकारों और उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने के लिए जागरूक होना चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि कैसे वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और कैसे वे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल कर सकती हैं। महिलाओं को एक समर्थन सिस्टम की आवश्यकता होती है, जो उन्हें आत्मसमर्थन, सलाह, और समर्थन प्रदान कर सकता है। कार्यस्थल में, इसका मतलब है कि कंपनी को नेतृत्व से लेकर सहकर्मियों तक, सभी को महिलाओं का समर्थन करना चाहिए। कंपनी को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह एक स्पष्ट और सख्त नीति के साथ साइबर बुलींग और उत्पीड़न के खिलाफ है। यह नीतियाँ और प्रक्रियाएँ महिलाओं को सुरक्षित और समर्थित महसूस करने में मदद कर सकती हैं। कंपनी को एक विशेष जाँच और प्रतिक्रिया प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जिसमें किसी भी उत्पीड़न की शिकायत को गंभीरता से लिया और संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान किया जाता है।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जमू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

संस्था का धार्मिक आयोजन रविवार को

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में 28 अप्रैल को पजांबी धर्मशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि डॉ आरबी यादव क्षेत्रीय सचिव भारत विकास परिषद कार्यक्रम में मुख्यातिथि व जतिन सैनी सीए उपाध्यक्ष भारत विकास परिषद श्रीराम युवा शाखा विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से सीएलजी कमेटी के चेयरमैन एडवोकेट सुनील भार्गव, गोपाल शर्मा महामंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद् व बाक्सिंग कोच जगन सिंह का अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम में समाजसेवी साथियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

आईटीआई में जॉब मेला 30 अप्रैल को लगेगा

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 30 अप्रैल को जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के आदेशानुसार 30 अप्रैल को मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी आईटीआई पास छात्र भाग ले सकते है। इस मेले में विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि पहुंकर विभिन्न आईटीआई ट्रेड के पास छात्रों का चयन करेंगे।

युवती आभूषण, फोन व नकदी लेकर लापता

कनीना। सदर थाना अंतर्गत एक गांव से 21 वर्षीय आठवीं कक्षा पास युवती रात्रि के समय लापता हो गई। इस बारे में थाना में दी शिकायत में बताया कि 24 अप्रैल को उन्होंने सुबह उठकर देखा तो उसकी पुत्री घर पर नहीं थी। तहकीकात करने पर मालुम हुआ कि घर में रखे आभूषण, मोबाइल फोन व 30 हजार रुपये भी गायब है। परिजनों ने युवती की खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

मुख्यमंत्री की अटेली में होने वाली रैली स्थगित

मंडी अटेली। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री नायब सैनी की 27 अप्रैल को अनाज मंडी अटेली में होने वाली प्रस्तावित विजय संकल्प रैली स्थगित कर दी गई है। विधायक सीताराम यादव ने बताया कि वर्तमान में चल रहे फसल के सीजन में आम आदमी व्यस्त है।

30 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर इन क्यू नामक एप होगी संचालित

वोटर इन क्यू एप से मतदान केंद्रों पर लाइन की मिलेगी अपडेट

- मतदाताओं को वोट डालने के लिए नहीं करना पड़ेगा लंबा इंतजार
- भीड़ कम होते ही वोट डालने के लिए बूथ पर जा सकता है मतदाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित किए गए मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा निर्वाचन आयोग की ओर से 'वोटर इन क्यू' नाम से एक एप लांच की गई है, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों पर लगने वाली भीड़ की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त कर सकते हैं और भीड़ कम होते ही वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर जा सकते हैं। एप के सुविधा मिलने से अब मतदाताओं को वोट डालने के लिए अपनी बारी के लिए अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने दी स्वीकृति

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने बताया कि आगामी 25 मई को होने वाले 18वें लोकसभा आम चुनाव के लिए आयोग की ओर से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए हरियाणा के 30 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर इन क्यू नामक एप संचालित की जाएगी। इससे मतदाता चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर लगने वाली भीड़ को लाइव देख सकते हैं, जिससे मतदाता अपनी सुविधा अनुसार मतदान करने के लिए केंद्र पर जा सकते हैं। कई बार मतदाता भीड़ को देखकर वोट डाले बिना ही वापस चले जाते हैं, लेकिन अब इस एप के माध्यम से मतदान केंद्रों में भीड़ की स्थिति मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि वोटर इन क्यू मोबाइल एप को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से भी प्रयोग के तौर पर स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वोटर इन क्यू मोबाइल एप पर मतदाता अपने एरिये का नाम, पोलिंग बूथ का नाम व वोटर का नाम फीड करेगा तो उसे एक ओटीपी मिलेगा, जिसका प्रयोग कर वह बूथ पर सीधे बीएलओ से जुड़ सकता है। बीएलओ हर एक घंटा या आधे घंटे बाद एप में बताएगा कि इस समय वोट डालने के लिए कितने लोग लाइन में लगे हुए हैं।

रेवाड़ी विधानसभा में होगा एप का प्रयोग

डीसी ने कहा कि इस मोबाइल एप तथा वेबसाइट का पहली बार चुनाव में प्रयोग किया जा रहा है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि मतदाता को वोट डालने के लिए अधिक समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा और वह भीड़ कम होते ही वोट डालने के लिए जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 30 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर इन क्यू एप का प्रयोग होगा, जिनमें रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र सहित पंचकूला, अंबाला छावनी, अंबाला शहर, जगाधरी, यमुनानगर, थानेसर, कैथल, करनाल, पानीपत ग्रामीण, पानीपत शहरी, सोनीपत, जींद, फतेहाबाद, सिरसा, हिसार, दादरी, भिवानी, रोहतक, बहादुरगढ़, झज्जर, नारनौल, पटौदी, बादशाहपुर, गुरुग्राम, नूंह, पलवल, फरीदाबाद एनआईटी, बड़खल तथा फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

पंजाबी समाज ने किया महिला मोर्चा का गठन

रेवाड़ी। पंजाबी समाज ने महिला मोर्चा का गठन किया है। यह मोर्चा पंजाबी समाज की महिलाओं के लाभ के लिए काम करेगा। पंजाबी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट सचिन मलिक ने कहा कि लंबे समय से मांग की जा रही थी कि इस तरह की कमेटी बनाई जाए ताकि महिलाओं को समाज में उचित प्रतिनिधित्व मिल सकें। शुक्रवार को पंजाबी भवन में कार्यकारिणी सदस्यों की आयोजित बैठक में समाज हित में कई निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज का कोई भी वंचित सदस्य अपनी किसी भी प्रकार की आवश्यकता के लिए पंजाबी समाज में कार्यकारी समिति के समक्ष संपर्क कर अपना आवेदन पत्र भर सकता है। जरूरतमंद व्यक्तियों की किसी भी प्रकार की सहायता देने के लिए सामाजिक कल्याण समूह बनाया गया है। बैठक में समाज के वंचित लोगों की लड़कियों की शादी के लिए आर्थिक सहायता देने का भी निर्णय लिया गया। पंजाबी समाज के अध्यक्ष ने बताया कि पंजाबी भवन के तीन मंजिल तक तैयार हो गया है और शेष एक मंजिल के लिए काम प्रगति पर है। भवन में वैवाहिक सेवा और बुक बैंक सेवाएं समाज के सभी वर्गों के लिए सफलतापूर्वक सेवा प्रदान कर रही हैं। शनिवार को महिला मोर्चा की ओर से पंजाबी भवन परिसर में बसंत महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

- जरूरतमंद व्यक्तियों की किसी भी प्रकार की सहायता देने के लिए सामाजिक कल्याण समूह बनाया गया है

जीवीटी प्वाइंट को खत्म करने का चल रहा अभियान

नागरिकों से अपील यहां कचरा न डालें

रेवाड़ी। जीवीटी प्वाइंट को खत्म करते हुए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

- जिला नगरायुक्त की अपील, शहरवासी इस मुहिम में प्रशासन का सहयोग करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नगर परिषद की ओर से शुक्रवार को शहर के ब्रास मार्केट, अनाज मंडी व कोर्ट रोड़ पर बने जीवीपी प्वाइंट को खत्म करने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया गया। शहर को स्वच्छ बनाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

जिला नगरायुक्त अनुपमा अंजलि ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाना ही शहरी निकाय की प्राथमिकता है। निरंत जारी रहने वाले अभियान के दौरान शहर में बने सभी अनावश्यक कचरा प्वाइंट को खत्म किया जाएगा। उन्होंने आमजन से भी सड़क पर कचरा न डालकर कचरा कलेक्शन गाड़ी में ही कचरा गाड़ी में ही डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ नागरिको का भी शहर को स्वच्छ रखने का दायित्व बनता है, इसलिए शहरवासी इस मुहिम में प्रशासन का सहयोग करें। ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका यादव ने बताया कि शुक्रवार को शहर से तीन जीवीपी प्वाइंट को खत्म किया गया। सचिव नरेंद्र यादव ने मौके पर अपनी टीम भेजकर रूके हुए गंदे नाले की सफाई कराई तथा सफाई व्यवस्था को बरकार रखने का आश्वासन दिया। प्रियंका यादव ने कहा कि सभी शहरवासी मिलकर शहर की सफाई व्यवस्था में सहयोग करेंगे तो जल्द ही शहर स्वच्छ व सुंदर होगा। नगर परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि नगर परिषद की ओर से खत्म किए गए अनावश्यक कचरा प्वाइंटों पर भविष्य में कचरा न डाले। इस अवसर पर सुशांत यादव, राकेश भार्गव, दीपक गोठवाल व बंटी सहित नगर परिषद टीम उपस्थित थी।

ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स एंड रिटायरीस एसोसिएशन का अधिवेशन सम्पन्न

- अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का हुआ गठन
- आरसी यादव को मंडल चेयरमैन व एसपी यादव को मंडल प्रधान की मिली जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अधिवेशन में उपस्थित मंडल के पदाधिकारी तथा अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स एंड रिटायरीस एसोसिएशन जिला मंडल का प्रथम अधिवेशन शुक्रवार को कोनसीवास रोड स्थित निजी गार्डन में एसपी यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में चेयरमैन आर सी यादव व मुख्यातिथि अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव एमएल अरोड़ा रोहतक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएनबी जिला मंडल के मंडल प्रमुख दीपक महतानी, मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक अमित यादव, वाईस चेयरमैन एस सी गोयल व प्रेम सिंह, रोहतक से एस के गुप्ता, नरेश परुथी, योगेश खुराना, राम नारायण, बलबीर सिंह, झज्जर से आर के नूनवाल, अधिकारी संगठन के प्रतिनिधि सीपी यादव, एच आर सभरवाल, ए एस यादव, एनपीएस यादव, भूपेंद्र सिंह राव, सतीश बठला व एन एस ने शिरकत की। अधिवेशन में नारनौल, महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी व रेवाड़ी से लगभग 125 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

सर्व प्रथम मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंडल सचिव अरुण गुप्ता ने सभी अतिथियों का शाब्दिक अभिनंदन किया तथा मंडल इकाई के गठन व उसकी गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मंडल की सभी तीनों जिला इकाइयां रेवाड़ी, चरखी दादरी व नारनौल कुशलता से कार्य कर रही हैं व मंडल इकाई की कुल सदस्य संख्या वर्तमान में 235 है। सभी अतिथियों ने सभा को संबोधित किया। मुख्य अतिथि अरोड़ा ने कहा कि बैंक से हमारी जायज मांगों को लेकर लड़ाई जारी रहेगी। बैंक ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर अनुदान के रूप में राशि प्रदान करनी शुरू की व पेंशन अपडेशन के बदले एक्स ग्रेशिया भी देना शुरू कर दिया है, यह हमारे संघर्ष का ही परिणाम है। मंडल प्रमुख दीपक महतानी ने कहा कि रिटायरीस बैंक की रीढ़ की हड्डी हैं, उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक अमित यादव ने कहा कि रिटायरीस को बैंक से सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए, जिनके वह हकदार हैं। मंडल सचिव गुप्ता ने सचिव रिपोर्ट व आय-व्यय का ब्यौरा भी पेश किया।

नई कार्यकारिणी का किया गठन

इस अवसर पर संगठन के वर्ष 2024-2027 के लिए सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया, जिसमें रेवाड़ी से आरसी यादव को मंडल चेयरमैन व एसपी यादव को मंडल प्रधान, सी एस जालवान नारनौल व आजाद सिंह चरखी दादरी को उप प्रधान तथा रेवाड़ी से अरुण गुप्ता को मंडल सचिव, जीत सिंह टाइगर को संयुक्त सचिव, अर्जुन देव भटेजा को कोषाध्यक्ष व भूप सिंह को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। मंच संचालन संगठन के संयुक्त सचिव जीत सिंह टाइगर ने किया। उन्होंने सभी से अनुरोध किया गया कि चुनाव का पर्व चल रहा है, इसलिए इस यज्ञ में अपनी वोट रूपी आहुति अवश्य डालें।

अखंड परम धाम सेवा समिति का सत्संग आयोजित

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा सेक्टर-6 हाउसिंग बोर्ड में शुक्रवार को अखंड परम धाम सेवा समिति की ओर से सत्संग का आयोजन किया गया। यह आयोजन रोजाना सुबह व शाम किया जा रहा है। राजेंद्र प्रसाद शर्मा सुबह एवं शाम को मलूक सिंह के श्रद्धालुओं का प्रवचन दे रहे है। शुक्रवार को मलूक सिंह सत्संग की जीवन में आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में खुद को जाने बगैर जीवन में शांति नहीं मिलती है और भौतिक पदार्थ से जीवन में कभी भी तृप्ति नहीं होती है। इस अवसर पर सुखेश यादव, शीला यादव, सरिता गुप्ता, गीता देवी, पूनम, अनीता, कृष्णा, राधा, सुशीला, नीरज, हवा सिंह, नरेश यादव, भोला गुप्ता व लक्ष्मण उपस्थित थे।

रिटायर्ड प्राचार्य ने स्कूल को वाटर कूलर भेंट किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

शुक्रवार को रिटायर्ड प्राचार्य ने राजकीय उच्च विद्यालय पुंसिका में वाटर कूलर भेंट किया। मुख्याध्यापक डा. महेश कुमार ने कहा कि विद्यालय को वाटर कूलर भेंट करना अटूट श्रद्धा, बच्चों के प्रति प्रेम और सामाजिकता का परिचायक है। सुनील कुमार की प्रेरणा से किरण शर्मा पत्नी राजेन्द्र शर्मा सेवानिवत्त प्राचार्य ने वाटर कूलर भेंट किया। इस अवसर पर किरण शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में शीतल जल की व्यवस्था करना हमारी संस्कृति के अनुसार पुण्य का कार्य है। मौलिक मुख्याध्यापक शर्मा ने शर्मा दंपती का आभार व्यक्त किया।

कोसली: धीमी गति से चल रहा पुनर्निर्माण

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र से नठेड़ा गांव के मार्ग के पुनर्निर्माण की धीमी गति के कारण वाहन चालकों व साथ बनी रिहायशी कॉलोनियों के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग का निर्माण करा रहे मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों की ओर से लोगों को आ रही परेशानी की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। स्थानीय निवासी सांसद व विधायक से भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। मार्ग को अवरूद्ध हुए तीन माह से भी ज्यादा का समय हो गया है। ठेकेदार की लापरवाही से आमजन परेशान है। सड़क पर दिन भर धूल उड़ती रहती है। मार्ग के अवरूद्ध होने से विशेषकर स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है। रेल ओवरब्रिज को पुनर्निर्माण के लिए तोड़े जाने के बाद दो भागों में बंटे रिहायशी क्षेत्र के लोगों के लिए रेल लाइन पार करने का कोई विकल्प नहीं बचा है। कोसली स्टेशन से नाहड़ रोड़ की ओर जाने के लिए वाहन नठेड़ा रोड़ मार्ग से ही आवागमन कर रहे थे। अब इस मार्ग के अवरूद्ध होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों ने विभाग से मार्ग का तेजी से निर्माण कराने की मांग की है। मार्केटिंग बोर्ड के एसडीओ ने बताया कि मार्ग पर सीवर लाइन के कुछ मेनहोल के रिसाव व यातायात निरंतर जारी होने के कारण कार्य धीमी गति से चल रहा है, लेकिन अगले 15 दिन में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

रेवाड़ी। अधूरा पड़ा मार्ग का निर्माण कार्य। फोटो : हरिभूमि

चीताडूंगरा से राजस्थान के महतावास बार्डर मार्ग को पक्का बनाने की मांग

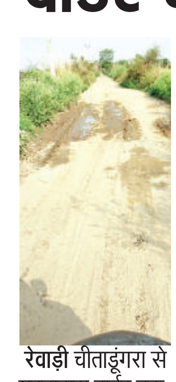

रेवाड़ी चीताडूंगरा से महतावास बार्डर तक के मार्ग की स्थिति।

कुंड। ग्रामीणों ने चीताडूंगरा से राजस्थान के महतावास बार्डर को जाने वाले मार्ग की कच्ची सड़क को पक्का बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग के बनने से बावल की सीधी कनेक्टिविटी होगी तथा आसपास के 20 गांवों के लोगों को लाभ मिलने के साथ नारनौल मार्ग से भी वाहन चालक आवागमन कर सकेंगे। ग्रामीण देवेंद्र पाल, दौलत राम, धर्मवीर, जितेंद्र, शेर सिंह, भूप सिंह, महाबीर, राजेंद व बृजलाल ने बताया कि चीताडूंगरा से राजस्थान के महतावास बार्डर तक डेढ़ किलोमीटर का टुकड़ा लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिसके कारण बावल कस्बे की सीधी कनेक्टिविटी नहीं है। मार्ग कच्चा होने से बारिश के दिनों में इसमें पानी जमा हो जाता है, जिससे वाहन चालकों को खासी दिक्कतों की सामना करना पड़ता है। मार्ग के बनने से चीताडूंगरा से पोरूला, रायसराणा, राजगढ़, धारण, भड़ंगी, साबन-माजरा होते हुए सीधे बावल तक आवागमन हो सकेगा। ग्रामीणों ने बताया कि हरियाणा की सीमा में चीताडूंगरा से महतावास तक का कच्चा रास्ता है, जबकि राजस्थान सरकार ने बावल की तरफ जाने वाले मार्ग को पक्का बनाया हुआ है।

रेवाड़ी। राजकुमार सरपंच प्रतिनिधि।

लोकनिर्माण विभाग को प्रस्ताव दिया: गांव की सरपंच उषा यादव व नंबरदार राजकुमार ने बताया रोड को तारकोल का बनवाने के लिए लोकनिर्माण विभाग को प्रस्ताव दिया है। रोड का नक्शा निकलवा कर लोकनिर्माण मंत्री डा. बनवारी लाल से संपर्क किया जा रहा है, जल्द ही मार्ग के लिए सहमति मिलने की उम्मीद है। इस सड़क के बनने से बावल पहुंचने की विपरीत दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। वर्तमान में वाहन चालक कुंड से वाया माजरा होते हुए चीताडूंगरा से होकर बावल पहुंचते हैं।

बेदखली सूचना

मैं, संत कुमार पुत्र बलवंत सिंह निवासी मकान नंबर 473, मौहल्ला साध, नजदीक जनता धर्मशाला कोसली, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) सूचित करता हूं कि मेरे पुत्र सचवेन्द्र यादव का देहांत हो चुका है। मेरी पुत्रवधू मितलेश पत्नी सचवेन्द्र यादव व पौत्र देवांश पुत्र सचवेन्द्र मेरे कहने-सुनने से बाहर है। उनके व्यवहार व झगड़े आदि से परेशान होकर मैंने दोनों को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।

बेदखली सूचना

मैं, कमला पत्नी स्व० श्री औमप्रकाश निवासी मकान नंबर 3756, मौहल्ला बंजारवाड़ा रेवाड़ी, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) सूचित करता हूं कि मेरा पुत्र अश्वनी एवं पुत्रवधू सपना, पुत्र विकास दीप एवं पुत्रवधू अन्जू, पुत्र पवन एंव पुत्रवधू कमलेश मेरे कहने-सुनने से बाहर है। उनके व्यवहार व झगड़े आदि से परेशान होकर मैंने सभी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।

नाहड़: स्कूल प्राचार्य दुगार्दास को सेवानिवृत्ति से पूर्व किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नाहड़

नाहड़ खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को प्राचार्य दुगार्दास की सेवानिवृत्ति से पूर्व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सूरजभान, खंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शर्मा तथा बीआरसी राजेन्द्र यादव उपस्थित थे। पूर्व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काकोड़िया से 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने जा रहे प्राचार्य दुगार्दास को एक परीश्रमी, ईमानदार व निष्ठावान व्यक्तित्व का धनी बताया। सीआरसी मुखियाओं ने भी उनके स्वभाव एवं व्यवहार की सराहना की। खंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शर्मा ने प्राचार्य दुगार्दास के सेवाकाल के दौरान समाज हित के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्राचार्य दुगार्दास ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीआरसी कनीना दिलबाग, दिनेश कुमार, हरिओम शर्मा, सुरेश कुमार, रवि प्रकाश व हंसराज उपस्थित थे।

हिट एंड रन दुर्घटना योजना में जिला स्तरीय कमेटी का गठन

रेवाड़ी। डीसी राहुल हुड्डा की ओर से हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना-2022 के तहत पीड़ित को मुआवजा दिलाने के संबंध में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में डीसी स्वयं क्लेम सेटलमेंट कमिश्नर, संबंधित एसडीएम क्लेम इंक्वायरी ऑफिसर, पुलिस अधीक्षक, सीएमओ, आरटीए व रमेश वशिष्ठ को जिला स्तरीय कमेटी का सदस्य व ब्रांच मैनेजर एनआईसी विनोद कुमार को मेंबर सेक्रेटरी बनाया गया है। डीसी ने बताया कि कमेटी क्वार्टरली मीटिंग करेगी और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

मौसम | डीसी ने जिले के सभी स्कूल संचालकों को दिए विद्यार्थियों को गर्मी व धूप से बचाने के निर्देश

रोजाना बढ़ रहा ग्रीष्म ऋतु का प्रकोप, स्कूल संचालकों को जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन खुली धूप में न किया जाए

डीसी राहुल हुड्डा ने जिले के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल संचालकों को ग्रीष्म ऋतु के दौरान विद्यार्थियों को लू तथा गर्मी से बचाने के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की कड़ाई से पालना करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल संचालक विद्यार्थियों को गर्मी व लू से बचाने के लिए विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें।

स्कूल संचालक इन बातों का रखें ध्यान : किसी भी अवस्था में विद्यार्थियों को धूप में न बिठाया जाए। किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन खुली धूप में न किया जाए। विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए साफ पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की जाए। सभी विद्यालयों में दिन में तीन बार पानी पीने के लिए घंटी बजाई जाए ताकि सभी विद्यार्थी समय अनुसार पानी पी सकें। विद्यालयों में उपलब्ध रेडक्रॉस फंड में से लू से बचाव के लिए ओआरएस के पैकेट्स की व्यवस्था की जाए। सभी विद्यार्थियों के साथ गर्मी से बचने के उपायों पर चर्चा की जाए तथा व्यापक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। आवश्यकतानुसार स्थानीय स्तर पर आयुष विभाग से सम्पर्क किया जा सकता है। किसी भी आपात स्थिति के संदर्भ में स्थानीय अस्पताल में सम्पर्क की व्यवस्था की जाए तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। खिड़कियों को रिफ्लेक्टर जैसे एल्युमीनियम पन्नी व गत्ते से ढककर रखें ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके। जिन खिड़कियों व दरवाजों पर दोपहर के समय गर्म हवाएं आती हैं, उन पर पर्दे लगाकर रखें। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क व सजग रहें। विद्यार्थियों को कभी भी बंद स्कूल वाहन में अकेला न छोड़ें। विद्यार्थियों को निर्देशित करें कि वह विद्यालय के पूर्ण अवकाश के बाद तथा छुट्टियों के दौरान जहां तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के सम्पर्क से बचें। संतुलित, हल्का व नियमित रूप से पौष्टिक भोजन करें। ऐसी किसी भी स्थिति में जब घर से निकलना आवश्यक हो तो विद्यार्थी अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से अच्छी तरह ढककर रखें तथा कक्षा-कक्ष के बाहर होने वाली बाहरी गतिविधियों को जहां तक संभव हो प्रातः 10 बजे तक अथवा इससे पूर्व कराना सुनिश्चित किया जाए।

सूचना

मैं, राजेश कुमार पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी गांव भटसाना तहसील व जिला रेवाड़ी हाल निवासी संतोष कॉलोनी धारूहेडा तहसील व जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सुनील कुमार तथा मेरी पुत्रवधु ज्योति व उनका लड़का केशिव मेरे कहने–सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन–देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

मैं, अभिषेक जैन पुत्र सुरेश चन्द जैन निवासी मकान नं.735ए, सैक्टर 3 , पार्ट-1, रेवाड़ी बयान करता हूं कि मेरी माता श्रीमती शशी जैन पत्नी सुरेश चन्द जैन निवासी मकान नं.735ए, सैक्टर 3 , पार्ट-1, रेवाड़ी का दिनांक 11-11-2022 को निधन हो चुका है। जिनके कानूनी वारीसान निम्नलिखित हैं। 1.अभिषेक जैन स्वयं (पुत्र) 2. शैफाली जैन(पुत्री)। उपरोक्त वारीसान के अलावा अन्य कोई वारीसान नहीं हैं। अगर कोई अन्य वारिसान पाया जाता है तो उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेवार रहूंगा। अगर किसी को कोई आपत्ति है तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर-अन्दर नगर परिषद/ तहसीलदार , रेवाड़ी के कार्यालय में सम्पर्क करे।

खबर संक्षेप

नशीला पदार्थ स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। नारकोटिक्स सेल की टीम ने महाराणा प्रताप चौक के पास नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। सेल को सूचना मिली थी कि धामलाका निवासी यशवंत मॉडल टाउन में नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर जाकर काबू कर लिया। उसके कब्जे से 0.46 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में केस दर्ज कराया गया है।

फोन पर धमकी मिलने के बाद केस दर्ज

रेवाड़ी। थाना बावल पुलिस ने फोन पर एक व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। पुलिस शिकायत में बनीपुर निवासी आशीष ने बताया कि उसके पास अनजान नंबर से कॉल आई, जिसमें बंदूक से गोली मारने की धमकी दी गई। इससे पूर्व दो अनजान लोग संदिग्ध हालात में कार लेकर उसके घर पर आए थे। दोनों सीसीटीवी कैमरे में नजर आ रहे हैं। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

घर में घुसकर मोबाइल फोन व पर्स चारी

धारूहेड़ा। सरकुलर रोड पर चोर एक मकान के कमरे में घुसकर मोबाइल फोन व पर्स से नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में रमेश ने बताया कि सुबह जब वह उठा तो उसका मोबाइल फोन गायब मिला। पर्स चेक करने पर उसमें रखी नकदी भी नहीं मिली। पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में चेक किया तो दो लोग उसके मकान में घुसते नजर आए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गाड़ी चढ़ाने के मामले में कई नामजद

रेवाड़ी। कुंड बैरियर पर दो युवकों पर बोलेरो कैंपर चढ़ाने के मामले में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने मनेठी निवासी धर्मेंद्र के बयान पर महेंद्रगढ़ के खैराना निवासी संदीप, ढाणी कोलाना निवासी सूरज, पाडला निवासी अंकित, कुंड निवासी जितेंद्र व दो-तीन अन्य युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लापता युवक ने घर नहीं आने का मैसेज भेजा

रेवाड़ी। सरस्वती विहार में घर से लापता हुए युवक ने मैसेज भेजकर परिजनों को घर नहीं लौटने की बात कही है। पुलिस शिकायत में राजेश कुमार ने बताया कि उसका बेटा 33 वर्षीय नितिश 25 अप्रैल को घर से बाजार सामान लाने के लिए गया था। वापस नहीं आने पर उसके मोबाइल की लोकेशन चेक की, तो वह मेवात क्षेत्र की निकली।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने वार्ड नं. 4 में अवैध शराब बेचने के आरोपी को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर ने सूचना दी थी कि वार्ड निवासी रॉकी शराब बेचने का धंधा करता है। वह शराब लेकर अपने घर की ओर जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे रास्ते में ही दबोच लिया। उसके पास मौजूद कट्टे से 40 पव्वे शराब बरामद हुई। आरोपी को काबू करने के बाद उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

कोसली की धर्मशाला में बुजुर्ग ने किया सुसाइड

कोसली। कोसली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित रामरतन गर्ग धर्मशाला में ठहरे एक बुजुर्ग ने वीरवार रात कमरे में लगे पंखे पर फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। धर्मशाला के प्रबंधक ने शुक्रवार प्रातः बुजुर्ग को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। प्रबंधक सुखपाल ने खिड़की से अंदर देखा तो बुजुर्ग को पंखे से लटके पाया।

बारिश आने से खुले में पड़ी काफी फसल भी भीग गई

अनाजमंडी में खुले में पड़ी फसल पर फिर से मौसम की मार, उठान के लिए अब तीन दिन बंद रहेगी खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी, बावल व कोसली अनाजमंडी में शुक्रवार को 54 गांवों के किसान अपनी सरसों बेचने के लिए पहुंचे। तीनों अनाजमंड़ियों में अभी भी उठान की भारी समस्या बनी हुई है। शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक बारिस आने से खुले में पड़ी काफी फसल भी भीग गई। इससे पहले 13 अप्रैल को आई तेज बरसात से काफी फसल भीगकर खराब हो गई थी। तीनों अनाजमंडियों में व्यवस्था बनाने तीन दिन के लिए सरसों खरीद बंद की गई है। 27 अप्रैल से 29 अप्रैल तक फसल की लिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा। अब सरसों की एमएसपी पर खरीद 30 अप्रैल को की जाएगी, जिसके लिए नया रोस्टर भी जारी कर दिया गया है। शुक्रवार को वेयरहाउस की ओर से 1121 किसानों से करीब 19200 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। बावल व कोसली अनाजमंडी में भी शुक्रवार को सरसों की खरीद सुचारू रही।

रेवाड़ी। रेवाड़ी अनाजमंडी में फड़ पर लगा सरसों की बोरियां का अंबार, शुक्रवार को बरसात आने पर ढकी गई आधी-अधूरी बोरियां तथा बरसात आने पर भीगी सरसों की बोरियां। फोटो : हरिभूमि

सरसों खरीद का आगामी रोस्टर जारी

रेवाड़ी अनाजमंडी में 30 अप्रैल को गांव करावरा मानकपुर, आसियाकी गोरावास, नांगलिया रणमोख, चांदनवास, खेड़ा आलमपुर, नूरपुर, जैतपुर शेखपुर, जांट, जांटी, राजावास, करनावास, शादीपुर, नैनसुखपुरा मुंडनवास, गंगायचा जाट, मस्तापुर, टहना दीपालपुर, रोहड़ाई, बासदूदा, मनेठी, नांगल जमालपुर, पाडला, नन्दरामपुर बांस, मालाहेड़ा, कापड़ीवास, रोजका, बालियार कलां, बालियार खुर्द, बिहारीपुर, मसानी, खटावली, खलियावास, खोल, मंदौला, बोहका, श्रीनगर व ढाणी ठेठर बाढ़, 1 मई को गांव कोलाना, ऊंचा, रसूली, ततारपुर खाालसा, जोनियावास, गुरदास माजरा, कोनसीवास, भठेड़ा, देहलावास, गुलाबपुरा, नांगल, मूंदी, बांस-बटौडी, खालेटा, कढ़ू, प्राणपुरा उर्फ गोपालपुर, नांगला मायण, मायण, अहरोद, गोबिंदपुरी, चीताडूंगरा, माजरा मुस्तिल भालखी, भालखी, पाली, गोठडा टप्पा खोरी, रोलियावास, आलियावास, जोनावास, डयोढ़ई, भवाडी व छुरियावास, 2 मई को गांव गुमीना, मैलावास, राजपुरा इस्तमुरार, शहबाजपुर इस्तमुरार, लालपुर, डवाना, बिठवाना, धामलाका, देहलावास, बैरियावास, आलमगीरपुर, जड़थल, साल्हावास, आसियाकी टप्पा जड़थल, खिजूरी, निखरी, रालियावास, डूंगरवास, मुंडियाखेड़ा, लाधूवास गुर्जर, काठूवास, माजरी दूढा, घटाल महनियावास, गढ़ी अलावलपुर, आसका, रेवाडी, नयागांव दौलतपुर, ढालियावास, झांझनवास, पीवरा, खातीवास, पोखरपुर, कुतुबपुर मौला व दोहना तथा बावल अनाजमंडी में 30 अप्रैल को खुरर्मपुर, इब्राहीमपुर, आसलवास, रानौली, सैदपुर उर्फ जैतपुर, शाहपुर, शेखपुर, भगवानपुर, खेड़ी डालू सिह, नांगल तेजू, धरचाना, आनंदपुर, बिशनपुर व खेडामुरार, 1 मई को पांवटी, जैतडावास, कसौला, कसौली, पातुहेडा, झाबुआ, बीड झाबुआ, खिजूरी, टांकडी, ढुल्हेडा कलां व ढुल्हेडा खुर्द तथा 2 मई को बखापुर, बवाना गुर्जर, ढाणी सांतो, कुंडल, खरखड़ी भीवा, राजगढ, लोधाना, पीथनवास, पनवाड़, सुलखा, कमालपुर व बावल के किसानों की एमएसपी पर सरसों खरीद की जाएगी।

- शुक्रवार को रेवाड़ी अनाजमंडी में 1121 किसानों से खरीदी गई करीब 20 हजार क्विंटल सरसों, अनाजमंडी में खुले में पड़े हुए लाखों कट्टे

धीमें उठान से परेशानी और बढ़ी

फसल का उठान धीमा चलने से अनाजमंड़ियों में व्यवस्था बिगड़ी हुई है। ट्रांसपोर्टर की ओर से काफी धीमी गति से लिफ्टिंग की जा रही है। तीनों अनाजमंडियों में अभी भी लाखों क्विंटल सरसों का उठान होना बाकी है। उठान कार्य के लिए 27, 28 व 29 को सरसों खरीद बंद रहेगी।

बरसात ने फिर पैदा की परेशानी

शुक्रवार को अचानक आई बरसात ने किसानों व व्यापारियों के लिए परेशानी पैदा कर दी है। अनाजमंडी में अव्यवस्था के कारण किसानों की फसल बरसात में भीगकर खराब हो रही है। फसलों की भारी आवक के कारण तीनों अनाजमंडियां सरसों व गेहं से सरोबार है। उठान नहीं होने के कारण सरसों व गेहूं खुले में पड़े हुए है। बरसात के सरसों व गेहूं भीग गया। खुले में पड़ी फसल को ढकने का भी ठीक से इंतजाम नहीं किया गया।

एसडीएम विकास यादव ने किया 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

पांच दिवसीय राष्ट्रीय नेटबॉल प्रतियोगिता का आगाज, देशभर से 19 टीमें ले रहीं भाग

- एसडीएम बोले-खेल को खेल भावना से खेले खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शिक्षा विभाग हरियाणा के तत्वावधान व जिला खेल विभाग के सहयोग से शुक्रवार को 19 वर्ष आयु के लडकों व लड़कियों की 67वीं नेटबॉल राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का गांव डोहकी स्थित यदुवंशी शिक्षा निकेतन में रंगारंग आगाज किया गया। एसडीएम विकास यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह खनगवाल ने की। इस अवसर पर एसडीएम यादव नें खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलों में खेल भावना एक दृष्टिकोण है, जो खिलाड़ी को ईमानदारी पूर्वक खेलने, टीम के साथियों और विरोधियों के प्रति शिष्टाचार बरतने, नैतिक व्यवहार और सत्यनिष्ठा दिखाने तथा जीत या हार में बड़प्पन के प्रदर्शन की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सच्ची खेल भावना ही खिलाड़ी को भीड़ से अलग करती है। हमें हार-जीत की परवाह किए बगैर खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को किसी न किसी खेल में अवश्य भाग लेना चाहिए। खेल से अनुशासन प्यार-प्रेम भाईचारे की भावना पनपती है, जोकि देश के नव निर्माण में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का वह हिस्सा है, जिससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ सफलता की राह में आगे बढ़ते हुए एक मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को संकल्प दिलाते हुए खेल को खेल भावना से खेलने और हारने पर निराश न होते हुए आगे बढ़ने और परिश्रम कर पुनः अच्छे प्रदर्शन से सफलता अर्जित करने का आह्वान किया। डीईओ खनगवाल ने जिले में पहली बार हो रहे राष्ट्रीय खेल महोत्सव में आए देशभर के खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मेजबान विद्यालय के अलावा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाल्हावास तथा गर्ल्स स्कूल रेवाड़ी की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

रेवाड़ी। उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं छात्राएं तथा नेटबॉल खिलाड़ी एसडीएम व अन्य अतिथियों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

30 को विजेता टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा

राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग के लड़के तथा लड़कियों की नेटबॉल के मुकाबले पांच दिनों तक चलेंगे। इस राष्ट्रीय खेल उत्सव में आंध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, विद्या भारती, डीएवी, सीबीएसई तथा आईपीएससी की टीमों के बीच मुकाबले होंगे तथा 30 अप्रैल को समापन सत्र पर विजेता टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। एईओ भूपेंद्र यादव ने बताया कि यदुवंशी शिक्षा निकेतन के अलावा प्रथम स्कूल में भी नेटबॉल मैच आयोजित किए जा रहे हैं। प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया के संचालन में आयोजित राष्ट्रीय महोत्सव के उद्घाटन सत्र में ध्वजारोहण, मार्च पास्ट, शपथ, शाब्दिक अभिनंदन, स्वागत गीत, खेल गीत तथा लोक नृत्यों ने समां बांधा।

उद्घाटन समारोह में ये रहे मौजूद

इस मौके पर सहायक निदेशक खेल शमशेर सिंह, ऑब्जर्वर हिमांशु शुक्ला, जिला खेल अधिकारी मदनपाल, फायर अधिकारी मामचंद शर्मा, रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह, रिटायर्ड डीईओ धर्मवीर बल्ड़ोदिया, खंड शिक्षा अधिकारी संतोष तंवर, राजबाला, राकेश वत्स, मेजबान विद्यालय के प्राचार्य डा. आरएन सिंह, निदेशक मुकेश यादव, कोच चरण सिंह व डा. दुष्यंत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों व शिक्षकों को जानकारी देतीं एएसआई सुनीता।

विद्यार्थियों को दी अपराधों की जानकारी निवारण के तरीके भी विस्तार से बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- टीम ने ट्रिप मॉनिटरिंग, यातायात नियमों का पालन करने व साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों से भी अवगत कराया
- पुलिस ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को पोक्सो एक्ट व बाल किशोर अधिनियम की जानकारी दी

दुर्गा शक्ति टीम की ओर से शुक्रवार को गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल पदैयावास में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के अपराधों की पहचान, बचाव व अपराध होने पर उनके निवारण सहित नशे के दुष्प्रभाव को लेकर जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन में दुर्गा शक्ति इंचार्ज एएसआई सुनीता व टीम विद्यार्थियों व कंपनी कर्मचारियों को महिला व बच्चों के विरुद्ध अपराधों, साइबर अपराध व नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक कर रही है। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को पोक्सो एक्ट व बाल किशोर अधिनियम की जानकारी दी। इस मौके पर एएसआई सुनीता ने पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए डायल-112 सेवा की जानकारी दी तथा डायल-112 एप को मोबाइल में इंस्टॉल करने व एप का प्रयोग करने के बारे में बताया। पुलिस टीम ने ट्रिप मॉनिटरिंग, यातायात नियमों का पालन करने व साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों से भी अवगत कराया। एएसआई ने विद्यार्थियों व स्टाफ को नशे से दूर रहने के लिए भी जागरूक किया। एएसआई ने कहा कि महिला विरुद्ध अपराधों पर पुलिस की ओर से सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। महिला थाना, डायल 112 व दुर्गा शक्ति एप पीड़िता की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत इन पर दे सकती है।

संदिग्ध हालत में युवक ने फांसी लगाई

बावल। चिराहड़ा में वीरवार की रात एक युवक ने संदिग्ध हालत में फांसी लगा ली। उसका शव साड़ी से पंखे के हुक से लटका हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। करीब 30 वर्षीय शमशेर गांव में अपनी मां के साथ रहता था। उसके पिता और भाई की पहले ही मौत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व शमशेर ने जमीन बेच दी थी। शुक्रवार सुबह उसका शव पंखे के हुक से लटका हुआ मिला। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इकलौते बेटे की मौत के बाद वृद्ध मां बबीता पर दुखों का पहाड़ टूट गया। कसोला थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराते हुए आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी।

रेवाड़ी। शमशेर का फाईल फोटो। *फोटो : हरिभूमि*

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

थाना बावल पुलिस ने साबन फ्लाईओवर के पास चोरी की बाइक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उनके खिलाफ बावल थाने में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर ने सूचना दी थी कि फ्लाईओवर के नीचे तीन युवक चोरी की बाइक के साथ खड़े हुए हैं। वह बाइक को बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां बिना नंबर प्लेट की बाइक के साथ खड़े तीन युवकों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा करते हुए तीनों को काबू कर लिया। पकड़े गए आरोपी महेंद्रगढ़ के देवास निवासी सोनू, राजस्थान के महतावास निवासी पंकज और राजस्थान के बिजयसिंहपुरा निवासी रोहित बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों से बाइक के कागजात दिखाने को कहा तो उन्होंने कागज होने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि यह बाइक महेंद्रगढ़ के पड़तल भोजावास निवासी एक युवक से तीनों ने मिलकर खरीदी थी। पुलिस ने बाइक के इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर पता किया तो यह बात सामने आई कि बाइक राजस्थान के मुंडावर से चोरी की गई थी। मुंडावर पुलिस स्टेशन में 6 जनवरी को बाइक चोरी का केस दर्ज कराया गया था।

आरोपियों से लूट की वारदात का खुलासा

पुलिस पूछताछ में आरोपी सोनू व रोहित ने इस बाइक का प्रयोग 18 अप्रैल को बावल में दुकानदार दशरथ से हथियार के बल पर नकदी व मोबाइल लूटने की वारदात में किया था। इस बात का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया है।

मुहिम — जिला प्रशासन बाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह सजग एवं सतर्क

बाल विवाह कराने पर हो सकती है दो साल की कैद व एक लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- 10 मई को अक्षय तृतीया पर विवाह-शादियों के लिए अबूझ सावा व शुभ मुहूर्त होने के चलते बहुत अधिक शादियां होती हैं

जिला प्रशासन बाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह सजग एवं सतर्क है। डीसी राहुल हुड्डा ने कहा कि आगामी 10 मई को अक्षय तृतीया पर विवाह-शादियों के लिए अबूझ सावा व शुभ मुहूर्त होने के चलते बहुत अधिक शादियां होती हैं। ऐसे शुभ मुहूर्त पर बाल विवाह होने का अंदेशा भी बना रहता है। इस दौरान बाल विवाह की रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। जिला प्रशासन की ओर से बाल विवाह करने व कराने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने जिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह को रोकने के लिए पुजारी, गांव के सरपंच व नंबरदार सहित शहर के पूर्व पार्षदों को आगाह करने के साथ-साथ इस तरह की शादी पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मैरिज पैलेस व बैंक्वेट हॉल के संचालकों को निर्देश दिए कि वह अपने यहां आयोजित होने वाले विवाह समारोह के संबंध में पहले दुल्हा व दुल्हन के आयु प्रमाण पत्रों की जांच करें। जांच के दौरान यदि लड़के की आयु 21 वर्ष से कम व लड़की की आयु 18 वर्ष से कम है तो उसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि आयु प्रमाण पत्रों की एक प्रति अपने पास भी रखें। डीसी ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़की की शादी 18 वर्ष व लड़के की शादी 21 वर्ष से पहले की जाती है, तो वह कानूनन अपराध है। एक्ट के तहत बाल विवाह के आयोजन में भागीदार सभी लोगों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी, जिसके तहत दो साल की जेल व एक लाख रुपए तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह के संबंध में कोई भी व्यक्ति पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, सीटीएम, तहसीलदार, नजदीकी पुलिस थाना व चौकी, आंगनबाड़ी वर्कर, डब्ल्यूसीडीपीओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हैल्पलाइन नंबर 1091 और पुलिस हैल्पलाइन नंबर 112 पर भी दे सकते हैं।

महिलाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नाहड़

महिला एवं बाल विकास विभाग नाहड़ की ओर से बाल विवाह निषेध विषय पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को गांव नेहरूगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरवाइजर पिंकी शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से बाल विवाह की रोकथाम के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं को बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों बारे बताया। उन्होंने बताया कि इससे लड़के और लड़कियों की शारीरिक वृद्धि पर भी प्रभाव पड़ता है। बाल विवाह करने से मातृत्व मृत्यु दर में भी बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि पता चलने पर बाल विवाह की सूचना तुरंत पुलिस या महिला हेल्पलाइन पर देनी चाहिए ताकि उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सके। उन्होंने महिलाओं को बाल विवाह का बहिष्कार करने की भी शपथ दिलाई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर मंजू, सुमन आंगनबाड़ी हेल्पर, मनोज देवी व कमला, प्रियंका, रेखा, सुमनलता, सुनील व सोना देवी सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी।

रेवाड़ी। महिलाओं को शपथ दिलाते हुए सुपरवाइजर। फोटो : हरिभूमि